▪ हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने 5 मई को घोषित किया था दसवीं व 12वीं का परीक्षा परिणाम

भास्कर न्यूज | भिवानी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के दसवीं व 12वीं के परीक्षा परिणाम भिवानी में कई जिलों से बेहतर रहा। जहां अन्य जिलों के कुछ स्कूलों का परीक्षा परिणाम शून्य प्रतिशत रहा वहीं भिवानी जिले का एक भी स्कूल शून्य प्रतिशत की सूची में नहीं है, लेकिन सात ऐसे स्कूल भी थे, जिनके बच्चे शिक्षकों की कमी होने के कारण फेल हो गए। इसके ठीक विपरीत सीनियर सेकंडरी में बामला का कन्या स्कूल तो दसवीं बोर्ड में सर्वपल्ली श्रीराधाकृष्णन स्कूल प्रथम रहा।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने पांच मई को दसवीं व 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया था। यह परीक्षा परिणाम अब तक का सबसे खराब था। प्रदेश के अनेक स्कूलों का तो परीक्षा परिणाम शून्य प्रतिशत भी था। लेकिन भिवानी में ऐसे कुछ ही स्कूल थे, जिनका परिणाम चार प्रतिशत से 33 प्रतिशत था। भास्कर ने अपने संवाददाताओं से खराब परीक्षा परिणाम का पता लगाने के लिए ग्राउंड रिपोर्ट करवाई। रिपोर्ट में यह बात सामने आई कि अधिकांश स्कूलों में शिक्षकों की कमी देखी गई। वहीं कुछ स्कूल इसका अपवाद भी थे।

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल बामला में 52 छात्राओं ने परीक्षा दी जिनमें 43 ने सफलता दर्ज की तो नौ छात्राओं के एक विषय में रिअपीयर दर्ज किया गया है। वहीं दसवीं में सर्वपल्ली राधाकृष्णण स्कूल का परीक्षा परिणाम 97.5 प्रतिशत रहा।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल चिड़िया का परीक्षा परिणाम 7.69 प्रतिशत रहा। सीनियर सेकंडरी में 26 बच्चों में से केवल दो ही बच्चे पास हुए हैं। स्कूल में अंग्रेजी व गणित विषय के शिक्षक नहीं है। इसी प्रकार मकड़ाना के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल के 31 बच्चों में से 4 बच्चे ही पास हुए हैं। स्कूल का परिणाम लगभग 13 प्रतिशत दर्ज किया गया है जबकि स्कूल